(E - 123) मां तेजकी दुलारी

मां तेजकी दुलारी तेरा धन्य अवतार,
गुरु कहानकी हे भक्त तुने कर दिया कमाल
जय जय हो मेरी भगवती मात....
जय जय हो मेरी भगवती मात....

बचपनसे ही तु बन गई वैराग्यकी मूर्ति (२)
संसारकी हर बातसे तोडी तूने प्रीति,
भरतका विषम काल तूने कर दिया सुकाल....
पुरुषार्थसे ही पा लिया निज आत्माका ज्ञान
गुरु कहानकी हे भक्त तुने कर दिया कमाल....जय जय० ॥१॥

विदेहसे तु आई मीठी यादको लेके, (२)
सीमंधर-कुंद-कहानकी महिमाको धारके
जब ध्यानमें लगी तो हुआ स्पष्ट वो चितार
गुरु कहानकी हे भक्त तुने कर दिया कमाल....जय जय० ॥२॥

गुरु कहानने जिनागमोंके मर्मको खोला (२)
हे मात तुने कहानसूत्र(वाणी) हार्दको खोला
वर्तमानमें ही कर रही (गई) तू गणधरका काम
गुरु कहानकी हे भक्त तुने कर दिया कमाल....जय जय० ॥३॥

सब भक्तवृंद है तेरे दर्शनका ही प्यासा
तेरे बिना किसीको नहीं अब है सुहाता
हम गिरते हुए बालकोंको, तुने लिया थाम,
गुरु कहानकी हे भक्त तुने कर दिया कमाल....जय जय० ॥४॥